रामेश्वरनाथ मंदिर में दर्शन करते दल के लोग।

कंपिल मुनि के खंडहरनुमा आश्रम में द्रोपदी कुंड देखते दल के लोग।

कंपिल के विकास को ठोस योजना चाहिए

अमर उजाला ब्यूरो

कंपिल में आए अमेरिका व न्यूयार्क के पुरातत्ववेत्ता महाभारत कालीन अवशेष देखे

कंपिल। कंपिल के ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों के भ्रमण पर आए अमेरिका व न्यूयार्क के पुरातत्ववेत्ताओं के दल के सदस्य कंपिल मुनि आश्रम के खंडहर व मुगलकालीन बिल्वातों पर लगे तम्बाकू के ढेरों को देखकर दंग रह गए। इस दौरान महाभारत क्षेत्र के शोधकर्ता जार्ज वाशिंगटन यूनीवर्सिटी, अमेरिका के प्रो० एल्फ हिल्ट बिटल ने कहा कि महाभारत विश्व का उत्कृष्ट ग्रंथ है। दल ने कंपिल में चल रहे उत्खनन कार्य का भी जायजा लिया।

विदित है कि महाभारत कालीन इतिहास को समेटे कंपिल क्षेत्र में पुरातत्व विभाग द्वारा उत्खनन कार्य कराया जा रहा है। शनिवार को द्रोपदी ट्रस्ट की चेयरपर्सन नीरा मिश्रा के साथ जार्ज वाशिंगटन यूनीवर्सिटी, अमेरिका के प्रो० एल्फ हिल्ट बिटल व सिटी यूनीवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क के प्रो० डॉ. विश्व अदिलूरी के संयुक्त दल ने कंपिल के धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया। उन्होंने प्रसिद्ध रामेश्वरनाथ मंदिर को भी देखा। उन्हें बताया गया कि यह त्रेता युग का मंदिर है। उन्होंने कंपिल मुनि के खंडहरनुमा आश्रम व महाभारत कालीन द्रोपदी कुंड को भी देखा। मुगलकालीन बिल्वातों पर लगे तम्बाकू के ढेर व आस-पास बिखरी गंदगी पर दल ने हैरानी जताई तथा कहा कि ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों पर सरकार को विशेष ध्यान देने की जरूरत है। यहां अमेरिका के प्रो० एल्फ हिल्ट बिटल ने बताया कि छोटी सी उम्र से ही वे द्रोपदी के जीवनकाल से खासे प्रभावित हैं। पिछले २५ वर्षों से महाभारत पर शोध कर रहे हैं। पुरातात्विक सम्पदाओं का अकूत खजाना आज भी भारत में मौजूद है। उन्हें भारत से बेहद लगाव है तथा पिछले ५० वर्षों से वे लगातार भारत का भ्रमण कर रहे हैं। हैदराबाद में जन्मे सिटी यूनीवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क के प्रो० डॉ. विश्वअदिलूरी ने बताया कि अपने देश में आकर उन्हें बेहद सुकून मिलता है। महाभारत पर शोध के दौरान कंपिल को देखने की इच्छा थी। उन्होंने कहा कि यहां के राजनेताओं व बुद्धजीवियों को जिला प्रशासन से मिलकर कंपिल के विकास पर ठोस योजना की पहल करनी चाहिए। दल ने महाभारत कालीन टीले पर चल रही खुदाई कार्य देखा। खुदाई दल के इंचार्ज प्रो० डीके तिवारी ने दल को उत्खनन कार्य की प्रगति व निकली हुई वस्तुओं की जानकारी दी। इस अवसर पर मौजूद द्रोपदी ट्रस्ट की चेयरपर्सन नीरा मिश्रा ने बताया कि दिल्ली में आयोजित महाभारत से संबंधित सेमिनार में अमेरिका, इंग्लैंड व भारत के पुरातत्व इतिहासविद् व बौद्धिक ज्ञान से जुड़े १८ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सेमिनार में कंपिल के प्राचीन इतिहास व महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा हुई व कंपिल के विकास योजना की ठोस रूप रेखा पर जोर दिया गया।